भारतीय कृ ष अनुसंधान परिषद  का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना (बिहार) द्वारा "छोटे एवं सीमांत  कसानों के  लए भू म एवं जल संरक्षण तकनीकेंपर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

भू म और जल प्रबंधन प्रभाग, भारतीय कृ ष अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना (बिहार) ने भारत की आजादी के  75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत "छोटे एवं सीमांत  कसानों के  लए भू म एवं जल संरक्षण तकनीकें" शीर्षक पर पर एक ऑनलाइन  वेबिनार का आयोजन  19 फ़रवरी, 2022 को  कया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य  कसानों, छात्रों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों के बीच भू म एवं जल संरक्षण के तकनीकें तकनीकें जैसे  सोलर ऊर्जा संचा लत तकनीक , डोबा जल संचयन तकनीक , कम ऊर्जा जल अनुप्रयोग (लेवा) उपकरण, टपक (ड्रप) संचाई तकनीक इत्यादि, पहलुओं पर जागरूकता फैलाना फैलाना था। कार्यक्रम का प्रसारण ज़ूम माध्यम से करते हुए  कसानों, वैज्ञानिकों, छात्रों और अन्य अन्य हितकारकों के बीच सौर ऊर्जा की उपयो गता एवं लाभ  वषय में और लाभदायक जल एवं भू म संरक्षण तकनीकें के बारे में जागरूकता फ़ैलाने का प्रयास  कया गया, जिसमें भारी संख्या में में लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग  लया।

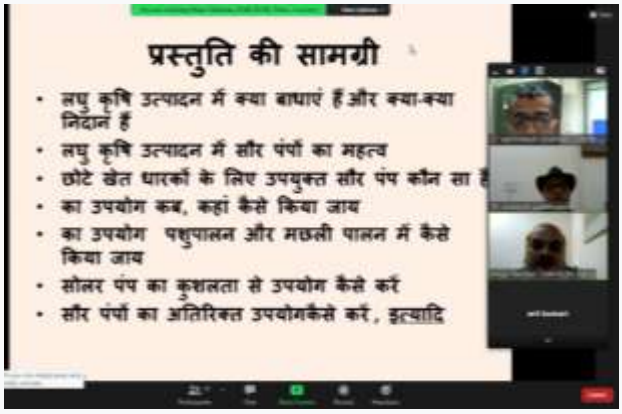

इस कार्यक्रम की शुरुआत, भू म एवं जल प्रबंधन प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ आशुतोष उपाध्याय ने  एकीकृत कृषि प्रणाली , सौर ऊर्जा की उपयो गता एवं लाभ और लाभदायक जल एवं भू म संरक्षण तकनीकें  का महत्व एवं उसका जल प्रबंधन में योगदान पर प्रकाश डालकर एवं वक्ता डॉ० ए रहमान की वैज्ञानिक उपलब्धियों से श्रोताओं का परिचय कराकर की और  कसानों, छात्रों, और अन्य हितकारकों को प्रोत्साहित करने का सफल प्रयास  कया। कार्यक्रम में  मुख्य

वक्ता डॉ० ए रहमान, प्रधान वैज्ञानिक ने छोटे एवं सीमांत वर्ग के कसानों के लए कृ ष में सौर ऊर्जा की उपयो गता एवं लाभ और डॉ पवन जीत, वैज्ञानिक ने जल के कुशल प्रबंधन और जल संरक्षण और इसकी उत्पादकता बढ़ाने सम्बंधित योजना की भू मका पर वचार व्यक्त कर श्रोताओं को लाभान्वित क्या। इसमें प्रतिभा गयों के प्रश्नों का उत्तर दिया गया और उनकी शंकाओं का भी समाधान किया गया। यह कार्यक्रम, भू म एवं जल प्रबंधन प्रभाग के सभी वैज्ञानिकों जैसे इं० आरती कुमारी, डा० वेद प्रकाश, डॉ कीर्ति सौरभ, डॉ अकरम अहमद, डॉ पी के सुंदरम, डॉ म णभूषण, डॉ अजय कुमार, डॉ बिकाश सरकार, डॉ ऐ के संह के पूर्ण सहयोग से सफलता पूर्वक धन्यवाद ज्ञापन कया और कार्यक्रम का समापन हुआ।